





999

[illegible]

निक व च य ॥ सु स वी प दी हा धि त ल नि
ने गु गु य म व व ॥ स ल स कृ प्र म र्थः
निज स्ता म ॥ ३ ॥ गु कृ त्वा न म ॥
की त कृ त्वा न म ॥ ३ ॥ म व्वा मा न म ॥

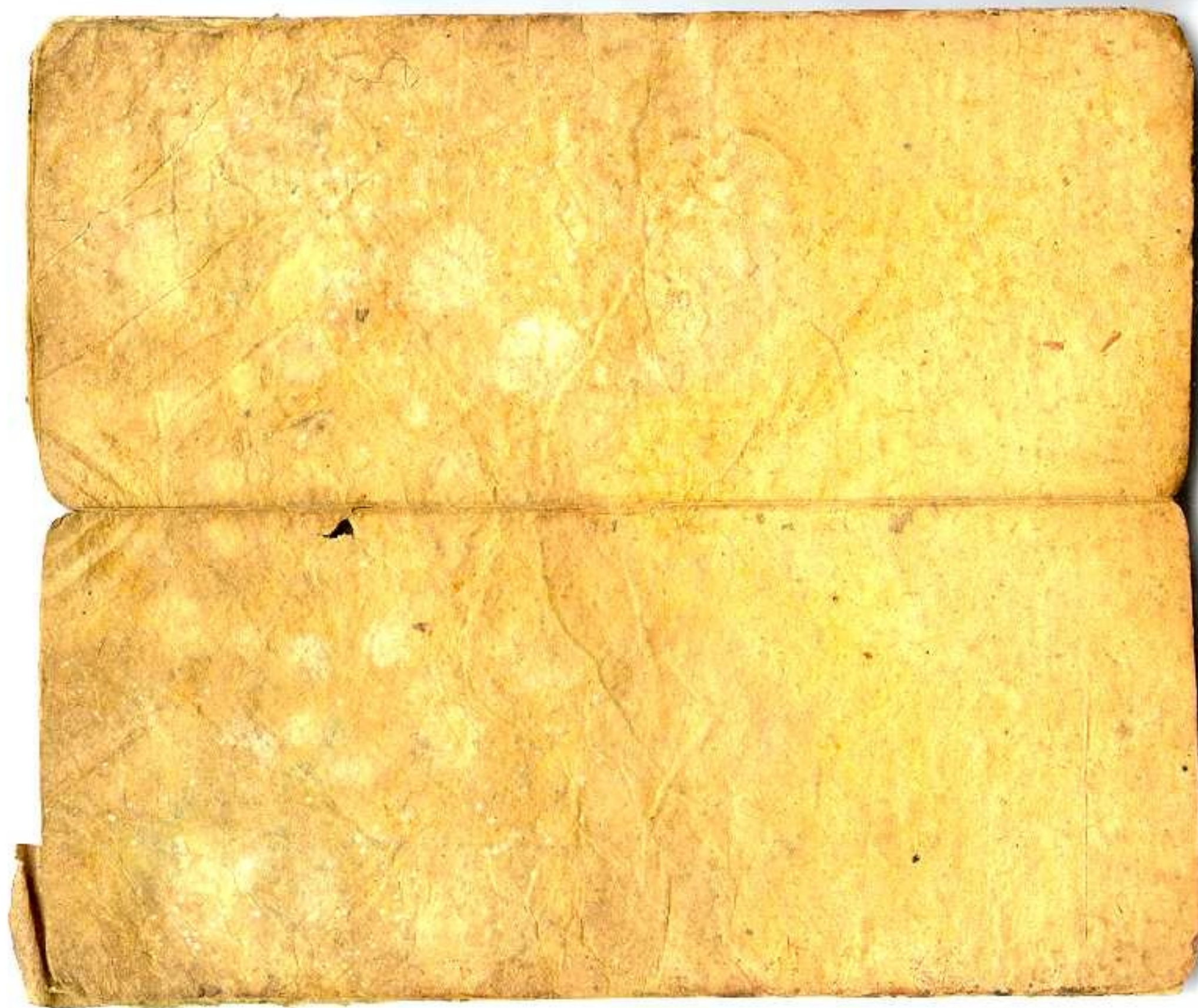
का र ना मि का न म ॥ रु क नि ती काः
न म ॥ कृ क न त ल पृ ण न म ॥
न म ॥ न म ॥ ३ ॥ व द्वा द्वा कृ ण या स
व त कृ त्वा न म ॥ ३ ॥ व द्वा द्वा कृ ण या स

सिद्धा। तैल कौल वधे नाहा माना
सिद्धा॥ तू दू संभगा तीस तू दू धिनि
हं पके नना सुंदरी॥ यक्षेति कृवि
नाजी ताल गा वती॥ शिद्धि लक्ष्मी तू॥

ति मीरति॥ ॐ कौं कौं कौं कौं कौं कौं नमः॥
॥३॥ शिद्धि लक्ष्मी विलक्ष्मी विलक्ष्मी
ने विलक्ष्मी विलक्ष्मी विलक्ष्मी विलक्ष्मी
या॥३॥ अथ विलक्ष्मी विलक्ष्मी विलक्ष्मी विलक्ष्मी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥







I 9908

1842-1843

Handwritten text in a script, likely Hebrew or Aramaic, arranged in three lines on the upper right and a single line across the middle of the page. The script is dark and appears to be a form of Kabbalistic or magical notation.











